हरिभूमि

भिवानी-दादरी भूमि

रोहतक, सोमवार, 8 सितंबर 2025

12 बीईओ ने प्रदर्शनी का किया अवलोकन

12 आंसुओं से भीगी दावत मृत्यु-भोज का समाज ...

देर रात बारिश से बवानीखेड़ा सहित दो दर्जन गांवों में बाढ़ जैसे बने हालात

डेढ़ से तीन फुट तक पानी भरा, पलायन को मजबूर लोगों ने सामान समेटना किया शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी/बवानीखेड़ा

भले ही बीती शाम भिवानी शहर व आसपास के इलाकों में बारिश की बूंद भी न आई हो, लेकिन करीब डेढ़ घंटे की बारिश ने बवानीखेड़ा कस्बा सहित करीब दो दर्जन गांवों में बाढ़ की स्थिति बना दी। कहीं पर डेढ़ तो कहीं पर दो-दो फुट तक बारिश का पानी जमा हो गया। खासकर ढलान वाले इलाकों में पानी तीन फुट तक बढ गया है। जिस वजह से बाहरी कॉलोनी के लोगों ने पलायन की तैयारी कर ली है। शाम करीब साढे पांच बजे के आसपास बवानीखेड़ा के आसपास के गांवों में जमकर पानी बरसा। बारिश तिगड़ाना मोड़ तक दर्ज की गई। करीब डेढ घंटे तक आसमान से जमकर पानी गिरा। जिसके चलते सड़कों व गलियों में एक-एक फुट तक पानी जमा हो गया। बारिश थमने के करीब एक घंटे बाद गांवों की बाहरी कॉलोनियों में तीन-तीन फुट तक पानी जमा हो गया। बाहरी बस्तियां लगभग डूब गई।

मकानों में पानी पहुंचने की वजह से लोगों ने वहां से अपना सामान समेटना आरंभ कर दिया। हालात ये बने है कि बाहरी कॉलोनियों में बने मकान खाली हो रहे है। लोग अपने पशु व सामान को लेकर दूसरी जगह पहुंचने लगे है। भिवानी के नजदीकी गांव तिगड़ाना, धनाना, प्रेमनगर, तालू, पुर, सिवाड़ा, जाटू लोहारी,मंढाणा के अलावा बवानीखेड़ा कस्बे के आसपास लगते अधिकांश गांवों में जलभराव की वजह से विकट समस्या बन गई। शनिवार शाम के वक्त आई तेज बारिश ने इन गांवों को फिर से डूबो दिया।

बवानी खेड़ा कस्बा के सुदी तालाब, पटवार खाने के पास स्थित तालाब, बड़ा गौरवा, दादी गौरी मंदिर, रेलवे रोड आदि तालाब पानी से लबरेज होने के कारण इनका पानी सड़कों पर आ गया और शहर की तरफ रूख कर चुका है। हालांकि सुदी तालाब का पानी पहले रोड़ क्रॉस करके खेतों की तरफ जा रहा था लेकिन खेतों में पानी लबालब होने के कारण रामबाग के साथ होता हुआ शहर की तरफ आने लगा है।

बवानीखेड़ा। जाटू लोहारी की रिहायशी कॉलोनी में पानी जमा होने के बाद ट्यूबों से बनाई अस्थायी नाव से निकलते युवक और बवानीखेड़ा अस्पताल के बाहर जमा पानी।

पानी छोड़ने को लेकर बिगड़ रहा भाईचारा

खेतों से निकले बारिश के पानी ने रिहायशी कॉलोनियों में तबाही मचा दी। पानी से अपने आशियाने को बचाने के लिए लोग पानी को रोक रहे है,लेकिन पानी ज्यादा होने की वजह से पानी लगातार आगे बढ़ कर तबाही मचा रहा है। खेतों से पानी छोड़ने को लेकर लोग आपस में भीड़ रहे है। जिस वजह से लोगों का भाईचारा ही नहीं मन मुटाव बढ़ रहा है।

बारिश ने डाला खलल : दूसरी तरफ बवानी खेड़ा में प्रशासन ने अनेकों स्थानों पर पंप लगाकर पाइपों के माध्यम से पानी निकालने का प्रयास किया जा रहा है शनिवार को दोपहर तक कुछ वार्डों में पानी से राहत मिली लेकिन सांय के समय आई बारिश ने सभी के हौंसले ध्वस्त कर दिए और पहले से ज्यादा पानी जमा हो गया। वहीं नगर पालिका का पूरा रविवार को महिला महाविद्यालय में नपा प्रधान सहित

भिवानी। बवानीखेड़ा में पानी की निकासी की व्यवस्था करवाते हुए।

संबंधित अधिकारियों की मौजूदगी में एकत्रित होकर पंप लगाने के लिए जुटे रहे ताकि समाधान हो सके। वहीं दुकानदार रात्रि तक अपनी दुकान के सामान का पानी से बचाव का प्रबंध करते हुए दिखाई दिए। वीके फोटोस्टेट के साथ कई दुकानों में पानी घुस गया, जिससे काफी नुकसान हो गया।

प्रशासन ने की व्यवस्था

बवानी खेड़ा नपा प्रधान सुंदर अत्री, सचिव संदीप गर्ग ने बताया कि जिला प्रशासन उनके साथ कदम से कदम मिलाकर चल रहा है व शहर के सभी पार्षदो व समाजसेवियों का भी सहयोग है। रविवार को भी महिला महाविद्यालय के सामने जेसीबी से पानी पर काबू करने का कार्य किया गया। नपा प्रधान ने बताया कि जल्द इस पर काबू पाने का प्रयास किया जाएगा। इस आपदा से आहत हुए परिवारों के रहने व खाने पीने की व्यवस्था की। उन्होंने डॉ. हेड ग्वार सभागार, अग्निशमन भवन, ओड धर्मशाला, रैन बसेरा, गारडू धर्मशाला, चतुर्भुज धर्मशाला,, दादी गौरी मंदिर, सोमवार पुरी कुटिया के समीप ब्राह्मण धर्मशाला, चौपाल आदि स्थानों पर रहने की व्यवस्था की है। नपा प्रधान ने बताया कि अनेक वार्डो का स्तर नीचे होने के कारण घरों में पानी घुस गया और लोग मजबूरीवश पलायन करने लगे हैं इसलिए उनके लिए रहने की व्यवस्था की है व बाबा कमाल धर्मशाला में एक ही स्थान पर भंडारा लगाया जाएगा ताकि सभी को पेट भर भोजन मिल सके।

भिवानी। जलभराव वाले क्षेत्रों का दौरा करते हुए।

जलभराव प्रभावित सभी गांवों के खोले गए क्षतिपूर्ति पोर्टल: कौशिक

भिवानी। भाजपा के जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक ने अत्याधिक बारिश के कारण हुए जलभराव प्रभावित गांवों धारेड़, बड़ाला, राजपुरा, और खरकड़ी का रविवार को दौरा कर किसानों से मुलाकात की। उन्होंने जलभराव से हुए नुकसान का जायजा लिया और किसानों को सरकार की ओर से हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। जिला अध्यक्ष कौशिक ने भारी बारिश के कारण खेतों में हुए जलभराव और फसलों को हुए नुकसान का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने प्रभावित किसानों से बातचीत की और उनकी समस्याओं को सुना। किसानों ने उन्हें बताया कि बारिश के कारण उनकी फसलें पूरी तरह से बर्बाद हो गई हैं और उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। कौशिक ने किसानों को धैर्य रखने और किसी भी तरह से परेशान न होने की सलाह दी। वीरेंद्र कौशिक ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों के नुकसान की भरपाई करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। नुकसान की भरपाई के लिए जलभराव से प्रभावित सभी गांवों के लिए क्षतिपूर्ति पोर्टल खोल दिए गए हैं। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे जल्द से जल्द अपनी बर्बाद हुई फसलों का विवरण पोर्टल पर अपलोड करें, ताकि उन्हें समय पर मुआवजा मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि क्षतिपूर्ति पोर्टल पर अपलोड की जाने वाली जानकारी सही हो और किसी भी किसान को फॉर्म भरने में कोई परेशानी न हो। उन्होंने अधिकारियों से जल निकासी की व्यवस्था को भी प्राथमिकता देने के लिए कहा, ताकि खेतों से पानी जल्दी निकाला जा सके। इस अवसर पर सरपंच बजरंग, सरपंच जितेंद्र, रमेश पचेरवाल, प्रदीप प्रजापति, अभिषेक भारद्वाज, मा. मुंशी राम शर्मा सहित अन्य कार्यकर्ता व ग्रामीण साथ रहे।

बारिश से बर्बाद फसलों का 50 हजार प्रति एकड़ मिले मुआवजा: डॉ. मनीषा

चरखी दादरी। कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री डॉ. मनीषा सांगवान ने कहा कि दादरी विधानसभा के गांवों में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। किसानों की तैयार फसल पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है। उन्होंने सरकार से मांग की कि तुरंत प्रभाव से खराब हुई फसलों की गिरदावरी करवाकर, बारिश से मकान व दुकानों में हुए नुकसान की भरपाई के लिए मुआवजा प्रदान करें। डॉ. मनीषा ने कहा कि गांव इमलोटा, नीमली, सरूपगढ़, सांतौर, भागवी, मोरवाला व कन्हैटी सहित दर्जनों गांव के खेतों में दो से ढाई फुट तक पानी जमा है। उन्होंने कहा कि किसानों ने पिछले छह महीने के कठिन परिश्रम और भारी लगता से फसल तैयार की थी, लेकिन बारिश ने उनकी फसल की बर्बाद कर दिया है। फसल डूबने के कारण किसानों की भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। उन्होंने सरकार से मांग की कि अन्नदाता के नुकसान की भरपाई के लिए सरकार 50 हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजा प्रदान करें।

समुद्र मे गहरा गोता लगाने के लिए मगरमच्छ कभी-कभी भारी पत्थर भी निगल लेता है।

उल्लू अपनी गर्दन घुमाकर पीछे की ओर भी देख सकता है। इसकी नजर मनुष्य से सौ गुना तेज होती है।

भविष्य कंप्यूटर का, टीचर बनकर चमकाएं करियर

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

कंप्यूटर हमारे समय की मांग है, चाहे वह समय आज का हो या आने वाला कल दोनों में ही कंप्यूटर की बहुत बड़ी जरूरत है। एक अच्छी कंप्यूटर योग्यता हासिल करने के बाद आप स्कूल या कॉलेज में कंप्यूटर टीचर के पद पर नियुक्ति पा सकते हो। और वह कंप्यूटर टीचर की नौकरी प्राइवेट या सरकारी दोनों ही मिल सकती है। अगर आप भी कंप्यूटर टीचर बनने के बारे में सोच रहे हैं तो पहले आपको यह सोचना होगा कि आपको कंप्यूटर योग्यता के लिए किस टाइप की डिग्री प्राप्त करनी है। यह सब आपको 10वीं करने के तुरंत बाद ही तय करना पड़ेगा ताकि आप सही समय पर सही फैंसला ले सकें।

बहुत ज्यादा नौकरियां

विभिन सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों पर कंप्यूटर के कार्यों पर नौकरी निकलती रहती है अगर आपके पास उच्च कंप्यूटर योगयता है तो आप इन पर समय समय पर अप्लाई कर सकते है। उनकी शर्तों को पूरा करते हुए आप इन पदों पर सलेक्ट भी होते हैं। अगर आपके पास कोई कंप्यूटर संबंधित कोर्स किया हुआ है तो आपकी सिलेक्शन के चांस बढ़ जाते हैं। इस लेख में आगे हम आप को कुछ कंप्यूटर कोर्सेज की लिस्ट देंगे और यह भी बताएंगे के कंप्यूटर कोर्स कैसे करें। आज का दौर ऑनलाइन का है और आज कल बहुत से कक्षाओं में ऑनलाइन पढाई होती है और वह ऑनलाइन क्लासेज का पूरा मैनेजमेंट कंप्यूटर टीचर के हाथ में ही होता है। स्कूल में कंप्यूटर टीचर की जरुरत तो हर हालत में होती ही है और उच्च शैक्षिक योगयता हासिल करके आप इन पदों के लिए सक्षम हो सकते हैं। आप कंप्यूटर टीचर से संबंधित कुछ कोर्स करने के बाद कंप्यूटर टीचर के पदों पर अप्लाई कर सकते हैं। कंप्यूटर टीचर कैसे बने इस टर्म को समझने के लिए आप को कंप्यूटर टीचर से जुडी सभी बातों को जानना आवश्यक होता है।

ये योग्यताएं जरूरी

किसी भी स्कूल या संस्थान में विषय-विशेष की फैकल्टी भर्ती करने के लिए विशेष मानक होते हैं। यदि कोई व्यक्ति कम्प्यूटर टीचर बनना चाहता है तो उसके पास आवश्यक शैक्षणिक योग्यताएं होना जरूरी है। जो इस प्रकार हो सकती हैं।

- स्कूल स्तर में कम्प्यूटर टीचर हेतु क्रमशः बीसीए अथवा पीजीडीसीए डिग्री होनी चाहिए या किसी प्रसिद्ध कम्प्यूटर इंस्टीट्यूट से कम्प्यूटर शिक्षा में डिप्लोमा हो।

- कॉलेज में स्नातक स्तर के विद्यार्थियों को कम्प्यूटर सबजेक्ट पढ़ाना चाहते हैं तो इसके लिए आपके पास एमएससी डिग्री होना जरूरी है।
- सॉफ्टवेयर या हार्डवेयर जिस भी विषय में आप विशेषज्ञ है, उस विषय का फंडामेंटल नॉलेज होना जरूरी है।
- बतौर कम्प्यूटर टीचर आपके पास प्रोग्रामिंग कौशल है तो सोने पे सुहागा साबित होगा।
- विद्यार्थियों तक अपने विचार, जानकारी पहुंचाने का सहज और आकर्षण गुण आपके पास होना चाहिए।
- अपने विषय पर कमांड और उस क्षेत्र में हो रहे नवाचारों से भी अपडेट होना आवश्यक है।

इस तरह बन सकते हैं कंप्यूटर टीचर

- कम्प्यूटर विषय से ग्रेजुएशन करने के बाद देश के प्रसिद्ध कॉलेज में पढ़ाने के लिए आपको एग्जाम देने होते हैं। जिसके बाद ही आप कम्प्यूटर टीचर बन पाते हैं। निम्नलिखित क्राइटेरिया को पूरा करके आप कम्प्यूटर टीचर बन सकते हैं।
- अगर, आप किसी कॉलेज में लेक्चरर बनना चाहते हैं तो आपको नेट एग्जाम क्लियर करना पड़ेगा।
- दूसरी ओर किसी स्कूल में कम्प्यूटर टीचिंग करना चाहते हैं तो टीचर इलीजिबिलिटी टेस्ट या फिर कई सारे विद्यालयों द्वारा टीचर्स की भर्ती के लिए बनाए गए मापदंड़ों को पूरा करना पड़ सकता है।
- अगर, आप एक सरकारी कम्प्यूटर टीचर बनना चाहते हैं और किसी गवर्नमेंट कॉलेज में पढ़ाना चाहते हैं तो इसके लिए पहले आपको यूजीसी अथवा सीएसआईआर-नेट क्वालीफाइड सर्टिफिकेट की परिक्षा उतीर्ण करनी पड़ती हैं।

आने वाला भविष्य कंप्यूटर आधारित, इसका नॉलेज आपको रखेगा आगे

अगर, अभी भी आपके मन में शंका है कि आगे आने वाले समय में कम्प्यूटर का भविष्य क्या होगा। तो बता दें पिछले एक दशक से लगातार भारत देश में कम्प्यूटर शिक्षकों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। क्योंकि, कम्प्यूटर की उपयोगिता और वर्तमान समय में इसके लाभ को देखते हुए बचपन से ही छात्रों को कम्प्यूटर सीखने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। यदि आपको इस फील्ड में अच्छा नॉलेज और अनुभव है तो आप इसमें एक शानदार करियर देख सकते हैं. और कम्प्यूटर टीचर बनने की तैयारी अभी से शुरु कर सकते हैं। हम डिजिटल दुनिया में जी रहे हैं जहां सारी दुनिया एक-दूसरे से कनेक्टेड है। आज गांव के कोने में बैठा एक व्यक्ति की वीडियो देश-विदेशों में देखी जा रही है। अगर, आपके पास भी कम्प्यूटर टीचिंग का ज्ञान है जिससे आप दूसरों की सहायता कर सकें तो पैसे कमाने में ज्यादा दिक्कत नहीं आएगी। यूट्यूब जैसे अनेक ऐसे प्लैटफॉर्म है, जहां पर आप अपने टीचिंग का हुनर दिखाकर स्कूल या कॉलेज टीचर की भांति ही अच्छी कमाई कर सकते हैं। आप बतौर कम्प्यूटर टीचर डेटा विश्लेषक का कार्य भी कर सकते हैं। डेटा एनालिटिस्ट वह व्यक्ति होता है जो डेटा को रॉ फॉर्म में प्राप्त कर उसे प्रोसेस कर समझने योग्य सूचना बनाता है।

12वीं पास करने के बाद बीए तीन साल की एक स्नातक डिग्री

बीए के बाद करियर : सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में मिलते हैं बेहतरीन अवसर

डॉ. मोहित बंसल
करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

सामाजिक विज्ञान व भाषाओं की देती है गहरी समझ

अगर आपने सिर्फ बैचलर ऑफ आर्ट्स (बीए) किया है तो घबराएं नहीं। बीए करने के बाद भी आप अपने करियर को बेहरीन उड़ान दे सकते हैं। बीए तीन वर्षों की एक स्नातक डिग्री है, जो छात्रों को ह्यूमनिटीज, सामाजिक विज्ञान और भाषाओं की गहरी समझ प्रदान करती है। इस कोर्स में विभिन्न विषयों का अध्ययन कराया जाता है जैसे हिंदी, अंग्रेजी, इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, दर्शनशास्त्र और जनसंचार। वहीं बी.ए. ऑनर्स पाठ्यक्रम किसी एक विषय में गहन और विशेषज्ञ अध्ययन प्रदान करता है। उदाहरण के लिए, छात्र अंग्रेजी साहित्य, हिंदी साहित्य, इतिहास, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, भूगोल, दर्शनशास्त्र या जनसंचार जैसे विषयों में ऑनर्स करके उस क्षेत्र में गहरी जानकारी और शोध क्षमता प्राप्त करते हैं। इन स्पेशलाइज़ेशन के आधार पर विद्यार्थी आगे चलकर कंटेंट राइटिंग, रिसर्च, शिक्षण, काउंसलिंग, प्रशासनिक सेवाओं, मीडिया, सामाजिक कार्य और कॉर्पोरेट क्षेत्रों में अलग-अलग करियर मार्ग चुन सकते हैं।

इस कोर्स में कई विषयों का अध्ययन करने में सक्षम होकर बनते हैं काबिल

इंडस्ट्री स्किल्स की भूमिका : एक आवश्यक पूरक

बीए की शैक्षणिक पृष्ठभूमि छात्रों को विचार करने, अभिव्यक्ति और विश्लेषण क्षमता प्रदान करती है। लेकिन वर्तमान समय में केवल डिग्री पर्याप्त नहीं है। कंपनियां उन उम्मीदवारों को प्राथमिकता देती हैं जो अकादमिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक स्किल्स से भी लैस हों। चाहे पत्रकारिता हो, कंटेंट राइटिंग, प्रशासनिक सेवाएं या कॉर्पोरेट सेक्टर-हर जगह दक्षता की मांग है।

इंडस्ट्री के लिए आवश्यक कौशल

- प्रभावशाली लेखन और संवाद कौशल
- डिजिटल दक्षताः एमएस ऑफिस, कंटेंट मैनेजमेंट टूल्स
- डेटा रिसर्च और रिपोर्ट लेखन
- सार्वजनिक बोलने और प्रस्तुति कौशल
- आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान क्षमता
- पब्लिक रिलेशन एवं मीडिया हैंडलिंग स्किल्स

सरकारी क्षेत्र में करियर विकल्प

सरकारी क्षेत्र बीए डिग्रीधारकों के लिए आकर्षक और स्थिर अवसर प्रदान करता है। बैंकिंग, बीमा, रेलवे, डाक विभाग, रक्षा सेवाएं, राज्य लोक सेवा आयोग और संघ लोक सेवा आयोग में प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में भर्तियां होती हैं। शुरुआती वेतनमान 30,000 से 45,000 मासिक तक हो सकता है, जबकि अनुभव और उच्च पद पर यह 80,000 से 1,20,000 तक पहुंच जाता है।

स्पेशलाइज़ेशन आधारित संभावित प्रोफाइल्स
- इतिहास/राजनीति विज्ञान/समाजशास्त्र
- सिविल सेवाओं में उच्च सफलता दर
- ग्राम विकास अधिकारी
- पंचायत सचिव
- लोकसभा/राज्यसभा रिसर्च फेलो

अर्थशास्त्र
- आर बी आई असिस्टेंट
- सांख्यिकी विभाग में सहायक
- इस इस सी में इकोनॉमिक इन्वेस्टिगेटर

मनोविज्ञान
- रक्षा सेवाओं में मनोवैज्ञानिक अधिकारी
- सामाजिक न्याय विभाग में काउंसलर
- पुलिस विभाग में रिक्रूटमेंट/ट्रेनिंग काउंसलर

भूगोल
- सर्वे ऑफ इंडिया में अधिकारी पद
- पर्यावरण एवं जलवायु विभाग में अनुसंधान सहायक
- आपदा प्रबंधन विभाग में सहायक पद

जनसंचार
- सरकारी सूचना सेवा
- प्रसार भारती में रिपोर्टर/प्रोड्यूसर
- राज्य सूचना विभाग में पब्लिक रिलेशन अफसर

रक्षा सेवाएं
- लेफ्टिनेंट
- आर्मी एजुकेशन कोर अफसर
- अकाउंट अफसर
- एडमिनिस्ट्रेटिव अफसर
- लोजिस्टिक्स सप्लाई अफसर
- टेरीटोरियल आर्मी अफसर

उच्च अध्ययन के विकल्प
- पाठ्यक्रम विवरण
- एम.ए. (स्पेशलाइज़ेशन अनुसार) उच्च शिक्षा व शोध हेतु आवश्यक
- एम.बी.ए. प्रबंधन और कॉर्पोरेट नेतृत्व भूमिकाओं हेतु
- बी.एड. शिक्षक बनने के लिए अनिवार्य
- एल.एल.बी. वकालत, कॉर्पोरेट लॉ, सिविल सेवाओं में सहायक
- मास कम्युनिकेशन/जर्नलिज़्म मीडिया, एंकरिंग, रिपोर्टिंग व पीआर में करियर
- समाजकार्य में मास्टर्स (एमएसडब्ल्यू) एनजीओ, पब्लिक हेल्थ व सामाजिक सेवा क्षेत्र हेतु
- मनोविज्ञान में पीजी/डिप्लोमा काउंसलिंग व क्लिनिकल मनोविज्ञान क्षेत्र हेतु

निजी क्षेत्र में करियर विकल्प

बीए डिग्रीधारकों के लिए निजी क्षेत्र में विविध क्षेत्रों में अवसर उपलब्ध हैं। मीडिया, शिक्षा, पब्लिक रिलेशन, कंटेंट राइटिंग, मानव संसाधन, सोशल मीडिया मैनेजमेंट, काउंसलिंग, एडटेक और टूरिज़्म जैसे क्षेत्रों में रोजगार की अच्छी संभावनाएं हैं। शुरुआती वेतनमान 15,000 से 25,000 मासिक हो सकता है, वहीं अनुभव और विशेषज्ञता के साथ यह 40,000 से 70,000 तक पहुंच सकता है। निम्न लिखित निजी क्षेत्रों में आप अपना करियर बना सकते हैं।

मीडिया एवं जनसंचार
- रिपोर्टर/जर्नलिस्ट
- न्यूज़ एडिटर
- पब्लिक रिलेशन एग्जीक्यूटिव

कंटेंट एवं डिजिटल सेक्टर
- कंटेंट राइटर
- कॉपी एडिटर
- सोशल मीडिया कोऑर्डिनेटर
- एसईओ एग्जीक्यूटिव

शिक्षा एवं प्रशिक्षण
- टीचिंग असिस्टेंट
- ऑनलाइन ट्यूटर
- एजुकेशन काउंसलर

कॉरपोरेट एवं मानव संसाधन
- एचआर असिस्टेंट
- ट्रेनिंग कोऑर्डिनेटर
- एडमिन एग्जीक्यूटिव

पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र
- टूर गाइड
- ट्रैवल कंसल्टेंट
- हॉस्पिटैलिटी एग्जीक्यूटिव

स्पेशलाइज़ेशन आधारित संभावित प्रोफाइल्स
- अंग्रेजी/हिंदी साहित्य
- कंटेंट राइटर
- कॉपी एडिटर
- ट्रांसलेटर
- प्रकाशन सहायक

इतिहास/राजनीति विज्ञान/समाजशास्त्र
- रिसर्च असिस्टेंट
- पब्लिक पॉलिसी एनालिस्ट
- सोशल मीडिया कैम्पेनर
- एनजीओ कोऑर्डिनेटर

अर्थशास्त्र
- रिसर्च एनालिस्ट
- डेटा एंट्री एवं एम आई इस एग्जीक्यूटिव
- मार्केट सर्वे एग्जीक्यूटिव
- फाइनेंशियल कंसल्टिंग असिस्टेंट

मनोविज्ञान
- काउंसलर (स्कूल/कॉलेज)
- एचआर ट्रेनिंग असिस्टेंट
- बिहेवियरल एनालिस्ट
- करियर काउंसलर

भूगोल
- जी आई इस असिस्टेंट
- टूर एवं ट्रैवल कंसल्टेंट
- सर्वे रिसर्चर

दर्शनशास्त्र
- एथिक्स ट्रेनर
- शिक्षा व वैचारिक शोध सहायक

जनसंचार
- रिपोर्टर/जर्नलिस्ट
- पीआर एग्जीक्यूटिव
- डिजिटल मीडिया कोऑर्डिनेटर

स्किल्स विकसित करें छात्र

बीए केवल एक स्नातक डिग्री नहीं, बल्कि यह छात्रों को विभिन्न विषयों में विशेषज्ञता और करियर विकल्पों का विस्तृत मार्ग प्रदान करती है। यदि छात्र अपनी स्पेशलाइज़ेशन के अनुरूप स्किल्स विकसित करें और प्रतियोगी परीक्षाओं या उच्च अध्ययन के लिए प्रयास करें, तो वे निजी और सरकारी दोनों क्षेत्रों में उत्कृष्ट भविष्य बना सकते हैं। अपने करियर का चुनाव करने से पहले किसी भी योग्य करियर सलाहकार से सलाह जरूर लें। अधिक जानकारी के लिए www.careerjaano.com पर भी विज़िट कर सकते हैं।

सपनों को हकीकत में बदलें : भारत की चुनौतियों में सकारात्मक बदलाव की राह

मोटिवेशनल
डॉ. दिव्या तंवर

भारत, एक ऐसा देश जो विविधता, संस्कृति और अवसरों का संगम है, लेकिन इसके साथ ही कई चुनौतियाँ भी हैं। बढ़ती जनसंख्या, आर्थिक असमानता, शिक्षा तक सीमित पहुंच, और सामाजिक दबाव जैसे हालात कभी-कभी हमारे सपनों को धूमिल कर सकते हैं। लेकिन, प्रिय छात्रों, ये चुनौतियाँ आपके सपनों को रोकने की ताकत नहीं रखतीं। आपमें वह शक्ति है जो इन कठिनाइयों को अवसरों में बदल सकती है। सपने वो बीज हैं, जो आपके मन में बोए जाते हैं। लेकिन उन्हें पनपने के लिए सही दिशा और मेहनत की जरूरत होती है। सबसे पहले अपने सपनों को स्पष्ट करें। आप क्या बनना चाहते हैं? क्या हासिल करना चाहते हैं? चाहे वह डॉक्टर, इंजीनियर, कलाकार, उद्यमी, या कुछ और बनने का सपना हो, उसे कागज पर लिखें।

चुनौतियों को हार का बहाना न बनने दें

भारत में कई बार सामाजिक या आर्थिक दबाव हमें अपने सपनों से भटका देते हैं। लेकिन याद रखें, आपका सपना आपकी ताकत है। उदाहरण के लिए, अगर आप एक छोटे शहर या गाँव से हैं, जहां संसाधनों की कमी है, तो यह आपके लिए रुकावट नहीं, बल्कि एक प्रेरणा होनी चाहिए कि आप उन सीमाओं को तोड़ सकते हैं।

चुनौतियों को अवसरों में बदलें : भारत में कई छात्र आर्थिक तंगी, संसाधनों की कमी, या परिवार के दबाव का सामना करते हैं। लेकिन इन चुनौतियों को हार का बहाना न बनने दें। हर मुश्किल एक सबक है। उदाहरण के लिए।

आर्थिक तंगी: अगर आपके पास कोचिंग या महंगे संसाधनों के लिए पैसे नहीं हैं, तो इंटरनेट का उपयोग करें। आज यूट्यूब, खान एकेडमी, और कई मुफ्त ऑनलाइन प्लेटफॉर्म उपलब्ध हैं, जो आपको मुफ्त में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा दे सकते हैं।

सामाजिक दबाव: अगर आपके परिवार या समाज को आपके सपनों पर भरोसा नहीं है, तो धैर्य और संवाद से उन्हें समझाएँ। अपनी मेहनत और छोटी-छोटी उपलब्धियों से उनके विश्वास को जीतें।

प्रतिस्पर्धा: भारत में प्रतिस्पर्धा बहुत ज्यादा है, लेकिन यह आपको और मजबूत बनाती है। अपनी तुलना दूसरों से न करें; अपने लक्ष्य पर ध्यान दें और हर दिन बेहतर बनने की कोशिश करें।

सकारात्मक सोच: आपकी सबसे बड़ी ताकत सकारात्मक सोच वह जादू है, जो असंभव को संभव बनाती है। भारत जैसे देश में, जहाँ हर दिन नई चुनौतियाँ सामने आती हैं, सकारात्मक दृष्टिकोण आपको आगे बढ़ने की हिम्मत देता है। अपने मन से नकारात्मक विचारों को हटाएँ। अगर आप सोचते हैं कि "मैं यह नहीं कर सकता", तो उसे बदलकर कहें, "मैं कोशिश करूँगा और सीखूँगा।" प्रेरणा लें उन लोगों से, जिन्होंने भारत में कठिन परिस्थितियों में अपने सपनों को हासिल किया। जैसे कि:

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम: एक साधारण परिवार से निकलकर भारत के मिसाइल मैन और राष्ट्रपति बने। उनकी कहानी हमें सिखाती है कि मेहनत और लगन से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।

धीरूभाई अंबानी: एक छोटे से गाँव से शुरूआत कर उन्होंने रिलायंस जैसी विशाल कंपनी बनाई। उनकी कहानी हमें बताती है कि सपने देखने की कोई सीमा नहीं होती।

छोटे कदम, बड़े परिणाम

सपनों को हासिल करने के लिए बड़े-बड़े कदमों की जरूरत नहीं होती। छोटे-छोटे कदम भी आपको मंजिल तक ले जा सकते हैं। अपने लक्ष्य को छोटे-छोटे हिस्सों में बाँटें। उदाहरण के लिए, अगर आप एक प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं, तो हर दिन कुछ घंटे पढ़ाई के लिए निकालें। एक समय में एक विषय पर ध्यान दें। अपनी प्रगति को ट्रैक करें और हर छोटी उपलब्धि पर खुद को प्रोत्साहित करें।

शिक्षा और कौशल: आपके सपनों की नींव: भारत में शिक्षा और कौशल विकास आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है। अगर आपके पास संसाधन सीमित हैं, तो सरकारी योजनाओं और स्कॉलरशिप का लाभ उठाएँ। साथ ही, आज के डिजिटल युग में तकनीकी कौशल सीखना बहुत जरूरी है। कोडिंग, डिजिटल मार्केटिंग, डेटा एनालिसिस जैसे कौशल न केवल आपको नौकरी दिला सकते हैं, बल्कि आपके सपनों को नई उड़ान भी दे सकते हैं।

समुदाय और सहयोग: एक साथ मिलकर आगे बढ़ें: अकेले चलना मुश्किल हो सकता है। अपने आसपास के दोस्तों, शिक्षकों, या मेंटर्स का सहारा लें। एक-दूसरे के साथ ज्ञान और प्रेरणा साझा करें। भारत में कई गैर-लाभकारी संगठन और समुदाय हैं, जो छात्रों को मुफ्त में मार्गदर्शन और संसाधन प्रदान करते हैं। इनका लाभ उठाएँ और अपने सपनों को और मजबूत करें।

सामान्य ज्ञान

1. हिंदी किस भाषा परिवार की भाषा है
(ए) भारोपीय (बी) द्रविड़
(सी) ऑस्ट्रिक (डी) चीनी-तिब्बती
2. भारत में सबसे अधिक बोले जाने वाली भाषा कौन सी है
(ए) हिंदी (बी) संस्कृत
(सी) तमिल (डी) उर्दू
3. हिंदी भाषा का जन्म हुआ है
(ए)अपभ्रंश (बी) लौकिक संस्कृत
(सी)पालि-प्राकृत (डी) वैदिक संस्कृत
4. निम्न में से कौन सी बोली अथवा भाषा हिंदी के अंतगर्त नहीं आती है
(ए) कन्नौजी (बी) बांगरू
(सी) अवधी (डी) तेलुगु
5. हिंदी की विशिष्ट बोली ब्रजभाषा किस रूप में सबसे अधिक प्रसिद्ध है
(ए) राजभाषा (बी) तकनीकी भाषा
(सी) राष्ट्रभाषा (डी) काव्यभाषा
6. भारतवर्ष में हिंदी को आप किस वर्ग में रखेंगे
(ए) राजभाषा
(बी) राष्ट्र भाषा
(सी) विभाषा
(डी) तकनीकी भाषा
7. ढूढाली बोली है
(ए) पश्चिमी राजस्थान की
(बी) पूर्वी राजस्थान की
(सी) दक्षिणी राजस्थान की
(डी) उतरी राजस्थान की
8. ब्रजबुली नाम से जानी जाती है
(ए) पंजाबी
(बी) मराठी
(सी) गुजराती
(डी) पुरानी बांग्ला
9. निम्न में से कौन सी भाषा देवनागरी लिपि में लिखी जाती है
(ए) गुजराती
(बी) उड़िया
(सी) मराठी
(डी) सिन्धी
10. एक मनई के दुई बेटवे रहिन। ओह माँ लहरा अपने बाप से कहिस - दादा धन मां जवन हमर बखरा लागत होय तवन हमका दै द। यह अवतरण हिंदी किस बोली में है
(ए) भोजपुरी
(बी) कन्नौजी
(सी) अवधी
(डी) खड़ी बोली

उत्तर 1.(ए) 2.(ए) 3.(ए) 4.(डी) 5.(डी) 6.(ए) 7.(बी) 8.(डी) 9.(सी) 10.(सी)

खबर संक्षेप

श्रीमद्भागवत अमृत वर्षा कथा का शुभारंभ

बहल। पितृपक्ष के उपलक्ष्य में कस्बे के अग्रसेन भवन में सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत अमृत वर्षा कथा का शुभारंभ रविवार 7 सितंबर से किया गया। कथा के उपलक्ष्य में रविवार को कलश यात्रा का आयोजन। हुआ जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कथा वाचन कथा व्यास स्वामी पूर्णेन्दु महाराज के मुखारविंद से होगा। कथा प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित होगी कथावाचक पूर्णेंदु महाराज ने बताया कि पितृपक्ष के अवसर पर श्रीमद्भागवत कथा का विशेष महत्व होता है।

निगाणा धाम में सत्संग व भण्डारे का आयोजन

भिवानी। आनन्द परमानन्द सत्संग आश्रम निगाणा धाम में पूर्णिमां पर सत्संग व भण्डारे का आयोजन किया गया। सतगुरु बाबू साहेब ने सत्संग के माध्यम से बताया कि हमें किसी तरह का नकारात्मक भाव मन में नहीं लाना चाहिए। हमारा काम जीवन को आनंदमय बनाना है। कष्ट, दुख व पीड़ा जीवन का हिस्सा है जो अवांछित कार्यों से आता है। विषय विकारों पर काबू पाना जरूरी है। हिसार व जूई की संगत ने भण्डारे का आयोजन किया। शब्द गायक प्रकाश आनन्द जूई, प्रकाश आनन्द साहलेवाला, सुधानन्द बीराण, राकेश पैंतावास, रोशन जूई, सुशीला सुरपुरा, निर्मला रहे।

एसडीएम ने संभाला पानी निकासी को लेकर मोर्चा

बवानीखेड़ा। कस्बा बवानी खेड़ा में एकाएक अत्यधिक बरसाती पानी आने के चलते एसडीएम महेश कुमार तुरंत कस्बे में पहुंचे और मोर्चा संभाला। उन्होंने बवानी खेड़ा में जलभराव से प्रभावित सामान्य अस्पताल और अन्य कस्बा क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने सिंचाई विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी और नपा अधिकारियों को बरसाती पानी की नियमित रूप से निकासी के निर्देश दिए।

हनुमान जोहड़ी सरोवर में कार्यक्रम, पितरों की शांति को उमड़ा जनसैलाब

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

श्राद्ध पक्ष के उपलक्ष्य में युवा जागृति एवं जनकल्याण मिशन ट्रस्ट द्वारा रविवार से पितृ तर्पण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम श्राद्ध पक्ष के दौरान पितरों की शांति एवं मोक्ष के लिए समर्पित रहा, जिसका मुख्य उद्देश्य पितृ ऋण से मुक्ति एवं पूर्वजों का आशीर्वाद प्राप्त करना है। यह आयोजन हनुमान ढ़ाणी स्थित हनुमान जोहड़ी सरोवर में हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने सरोवर में स्नान कर अपने पितरों को तर्पण किया।

आयोजन में उपस्थित लोगों ने धार्मिक मंत्रोच्चारण के बीच अपने पूर्वजों को जल अर्पित किया और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस धार्मिक आयोजन का नेतृत्व बालयोगी महंत चरणदास महाराज ने किया। उन्होंने बताया कि पितृ तर्पण रविवार से शुरू होकर 21 सितंबर तक 15 दिनों जारी रहेगा, जिसके तहत पितरों की आत्मा की शांति के लिए 14 से 21 सितंबर तक श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें कथा का वाचन विजय भारद्वाज करेंगे। इसी कड़ी में 14 सितंबर को सुबह कलश यात्रा निकाली जाएगी। महंत चरणदास ने कहा कि पितृ पक्ष में पितरों का आह्वान और तर्पण करना बहुत फलदायी होता है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि हमारे पूर्वजों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का माध्यम है। उन्होंने लोगों को पितृ तर्पण के सही विधि-विधान के बारे में भी बताया।

गोवंश को बचाने को पशुपालन विभाग अलर्ट

- पशुपालन विभाग ने नागरिकों से की अपील, श्राद्ध पक्ष में गोवंश को न खिलाए तला भोजन: डॉ. रविंद्र
- तला हुआ खाने से पेट में एसिडोसिस बनता मौत का कारण: डॉ. विजय

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। गोवंश का उपचार व निरीक्षण करते पशु चिकित्सक। फोटो: हरिभूमि

पूर्णिमा से शुरू हो रहे श्राद्ध पक्ष को लेकर पशुपालन विभाग ने महत्वपूर्ण अपील जारी की है। विभाग ने लोगों से कहा कि वे श्राद्ध के दौरान गौवंश को तला हुआ, बासी और अत्यधिक मात्रा में रोटी-पूरी न खिलाएं, क्योंकि ये गोवंश के जानलेवा है। पशुपालन विभाग के उपनिदेशक डॉ. रविंद्र सहरावत ने बताया कि श्राद्ध पक्ष के दौरान लोग पितरों को तृप्त करने के लिए गौवंश को रोटी, खीर और हलवा जैसी चीजें खिलाते हैं और कई बार गौवंश के लिए ये जानलेवा साबित होते है, जिससे वे पुण्य की बजाय पाप के भागीदार बन जाते हैं।

विभाग ने अपनी पूरी टीम को अलर्ट कर दिया है। विभाग मीडिया के माध्यम से लोगों को जागरूक कर रहा है और गौवंश को बचाने के लिए विभाग का सहयोग करने की अपील कर रहा है। पशु चिकित्सक विजय सनसनवाल ने इस खतरे के पीछे का वैज्ञानिक कारण बताया। उन्होंने कहा कि बेसहारा गौवंश को तला हुआ खाना खिलाया जाता है तो वह उनके पेट में एसिडोसिस नामक बीमारी पैदा करता है, यही एसिडोसिस गौवंश की मौत का कारण बन जाता है। श्रीट्रस्ट गौशाला भिवानी के गौशाला विस्तार अधिकारी मोहनलाल बलसेरा ने भी समस्या पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि गौशालाओं ने समस्या से निपटने के लिए समाधान निकाला है। गौशालाओं में बड़े-बड़े ड्रम और टोकरे रख दिए गए हैं, ताकि लोग उनमें रोटी और पूरी जैसी चीजें डाल सकें, जिन्हें बाद में गौशाला के कर्मचारी धीरे-धीरे सभी गायों को बांटकर खिला देंगे।

138वीं जयंती मनाई और घंटाघर स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

महान स्वतंत्रता सेनानी पंडित नेकीराम शर्मा को किया नमन, दी श्रद्धांजलि

- पशर्मा की विरासत को आगे बढ़ाने का लिया संकल्प: ओमप्रकाश

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। पंडित नेकीराम शर्मा को नमन करते किसान सभा के पदाधिकारी व सदस्य।

अखिल भारतीय किसान सभा ने हरियाणा केसरा महान स्वतंत्रता सेनानी व देश के प्रमुख किसान नेता पंडित नेकीराम शर्मा की 138वीं जयंती मनाई और घंटाघर स्थित उनकी आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता किसान सभा की भिवानी तहसील की प्रधान व किसान महिला नेत्री संतोष देशवाल ने की। कार्यक्रम में शामिल किसान सभा के जिला उपप्रधान व माकपा नेता कामरेड ओमप्रकाश, युवा कल्याण संगठन के संरक्षक कमल प्रधान व गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सरदार इन्द्रमोहन ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों के खिलाफ पंडित नेकीराम शर्मा का उल्लेखनीय योगदान रहा है। उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी द्वारा शुरू किए वर्ष 1920-21 में असहयोग आंदोलन, 1930-31 में सविनय अवज्ञा आंदोलन व 1942 में भारत छोड़ो आन्दोलन में बढ़-चढ़कर भाग लिया और हरियाणा की जनता का प्रतिनिधित्व किया।

पंडितजी ने अनेक आंदोलनों में भागीदारी करते हुए 2200 दिन जेल काटी। उन्होंने प्रमुख किसान नेता चौधरी लाजपतराय अलखपुरा के साथ मिलकर 9 जनवरी 1929 को हरियाणा में किसान सभा की स्थापना कर स्कीनर जागीरदार हांसी व लोहारू रियासत के विरुद्ध किसानों के हकों के लिए लड़ाई लड़ी और हजारों मुजारे किसानों को जमीनों का मालिक बनवाया। उन्होंने बेगारप्रथा, महिलाओं में बाल विवाह व पर्दाप्रथा के विरुद्ध व विधवा विवाह का पक्ष लेकर समाज सुधार आंदोलन भी किए और इन सुधारों की शुरूआत अपने घर से ही शुरू की।

पंडितजी ईमानदार, कर्मठ, जाति-पाति के विरोधी राजनीतिज्ञ रहे है, जिन्होंने लोभ लालच नहीं किया, ऐसे महान व्यक्तित्व के जीवन से प्रेरणा लेकर हमारे युवाओं को वर्तमान दौर की चुनौतियों से निपटने में सक्षम होना चाहिए और उनकी साम्राज्यवाद विरोधी विरासत को आगे बढ़ाने का संकल्प लेना चाहिए। वक्ताओं ने हरियाणा सरकार से मांग की कि वह पंडित नेकीराम शर्मा मैडिकल कॉलेज भिवानी में विभिन्न बीमारियों के इलाज तथा नए बच्चों को पढ़ाने वास्ते विशिष्ट डाक्टरों की शीघ्र भर्ती करें तथा उनकी जीवनी स्कूली पाठ्य पुस्तकों में शामिल की जाए।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में दलित अधिकार मंच के जिला संयोजक सुखदेव पालुवास, रिटायर्ड कर्मचारी नेता रतन कुमार जिंदल, नरेश कुमार शर्मा, अनिल मुंजाल, रामचन्द्र सैनी, बलवान सिंह दरोगा, किसान नेता महाबीर फौजी, पत्रकार विनोद कुमार मिश्र, आप नेता भूपसिंह प्रजापति, मजदूर नेता अमीर सिंह, बलबीर मनहेरु, युवा नेता प्रवीण प्रजापति, वीरेंद्र देशवाल आदि मौजूद रहे।

पंडित की जयंती व पुण्यतिथि राज्य स्तर पर मनाए सरकार : पराग

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

हरियाणा केसरी महान स्वतंत्रता सेनानी पंडित नेकीराम शर्मा की 138वीं जयंती पर पंडित नेकीराम शर्मा स्मृति ट्रस्ट ने घंटाघर स्थित पंडितजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस दौरान पंडित भागीरथ शर्मा, डॉ. रमाकांत शर्मा व रामबिलास शर्मा ने उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पंडित नेकीराम शर्मा जिले के कलिंगा गांव में 1887 में जन्मे और उन्हें हरियाणा के अग्रणी स्वतंत्रता सेनानियों में गिना जाता है।

उन्होंने स्वतंत्रता के लिए हर छोटे-बड़े आंदोलन में हिस्सा लिया। वर्ष 1907 से वे मात्र 20 वर्ष की आयु में स्वतंत्रता आंदोलन के लिए सक्रिय भूमिका निभाने लगे थे। पंडित नेकीराम शर्मा ने वर्ष 1919 में रोलेट एक्ट आंदोलन का विरोध किया। 1920 व 1922 के बीच असहयोग आंदोलन, 1930 और 34 के नमक सत्याग्रह, 1942 और 44 के भारत छोड़ो आंदोलन में उन्होंने अपनी अहम भूमिका निभाई। इन सभी आंदोलनों के दौरान वे 2200 दिन जेल में रहे। पंडित नेकीराम शर्मा स्मृति ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं उनके प्रपौत्र पराग शर्मा ने कहा कि सरकार को पंडितजी की जयंती व पुण्यतिथि राज्य स्तर पर मनाई जानी चाहिए, जिससे पूरे प्रदेश की वर्तमान व युवा पीढ़ी को उनके जीवन से प्रेरणा मिले। इस अवसर पर एडवोकेट कपिल शर्मा, मास्टर अशोक, राजकुमार पटवारी, नरेश शर्मा बौंद, मास्टर नरेश शर्मा सांगा, कवि महेश कौशिक सागर, नरेन्द्र शर्मा केलंगा, नरेन्द्र सौपर्ण आदि मौजूद रहे।

जलभराव, वोट चोरी और कानून व्यवस्था आदि मुद्दों पर विधायक ने सरकार को घेरा

- जलभराव की स्थिति से निपटने को सरकार ने नहीं बनाई कोई योजना: विधायक चंद्रप्रकाश

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। पत्रकारों से चर्चा करते आदमपुर से विधायक चंद्रप्रकाश व जिला अध्यक्ष प्रदीप गुलिया।

आदमपुर से विधायक चंद्रप्रकाश ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास रहा है, उसने अपने शासनकाल में 36 बिरदारी को साथ लेकर उनके हित एवं कल्याण की योजनाएं क्रियान्वित की है, उन्हें पूरा विश्वास है कि कांग्रेस शहरी जिला अध्यक्ष प्रदीप गुलिया के नेतृत्व में कांग्रेस एकजुटता से कार्य करेंगी तथा अपने विपक्ष की भूमिका पूरी निष्ठा से निभाते हुए जनहित की आवाज मजबूती से उठाएंगे। विधायक चंद्रप्रकाश रविवार को बयां रेस्ट हाऊस में पत्रकारवार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उनके साथ कांग्रेस शहरी जिला अध्यक्ष प्रदीप गुलिया मौजूद थे।

विधायक चंद्रप्रकाश ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में प्रदेश की कानून व्यवस्था नंबर एक पर थी, लेकिन भाजपा शासनकाल में उसी कानून व्यवस्था का दिवाला पिट चुका है। प्रदेश में रोजाना हत्या, लूट, डकैती, गोली चलने सहित अन्य अपराधिक घटनाएं हो रही है, लेकिन सरकार अपराध को रोकने में नाकाम साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि अत्याधिक बारिश से हुए जलभराव के कारण आमजन व किसानों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही हैं। अत्याधिक जलभराव से किसानों की फसलें पूरी तरह से बर्बाद हो चुकी है और आमजन की संपत्तियों को भी भारी नुकसान हुआ है, जिसके चलते उनके समक्ष रोजी-रोटी का संकट गहराया हुआ है। इसके बावजूद भी सरकार व प्रशासन इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे और उन्होंने समस्या के समाधान को लेकर कोई योजना नहीं बनाई हैं। उन्होंने कहा कि पिछड़ा वर्ग की क्लास-1 व क्लास-2 की श्रेणी में 27 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने की मांग की थी, लेकिन सरकार ने मामले में कोई ध्यान नहीं दिया, जबकि सोशल मीडिया में भाजपा सरकार मांग को माने जाने का झूठा प्रचार कर रही हैं। उन्होंने क्रीमिलेयर की आय सीमा 8 लाख से बढ़ाकर 12 लाख रूपये किए जाने की मांग भी रखी। वहीं वोट चोरी मामले पर बोलते हुए विधायक चंद्रप्रकाश ने कहा कि राहुल गांधी द्वारा उठाया गया मुद्दा पूरी तरह से सही व तथ्यपूर्ण है। कांग्रेस शहरी जिला अध्यक्ष प्रदीप गुलिया ने कहा कि जलभराव के कारण जिलेभर के हालात काफी बदत्तर बने हुए है तथा जब भी प्रशासनिक अधिकारियों को इस बारे में अवगत करवाया जाता है तो अधिकारियों आश्वासन देते हैं, जबकि समाधान नहीं कर रहे।

सीबीएसई क्लस्टर में आपीएस ने अंडर 14 और 19 में वालीबॉल में जीते सिल्वर मेडल

- सीबीएसई के ज्वाइंट सेक्रेटरी विजय सिंह यादव ने आरपीएस की दोनों वालीबॉल टीमों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। विजेता आरपीएस की वालीबॉल टीम। फोटो: हरिभूमि

आरपीएस विद्यालय ने एकबार फिर अपनी खेल प्रतिभा से जिले का मान बढ़ाया है। हाल ही में आयोजित सीबीएसई क्लस्टर वॉलीबॉल प्रतियोगिता में विद्यालय की अंडर-14 और अंडर-19 (आयु वर्ग) की टीमों ने सोनीपत में शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल प्राप्त किया। दोनों ही वर्गों की टीमों ने प्रतियोगिता के दौरान उत्कृष्ट तालमेल, संघर्षशीलता और खेल भावना का परिचय दिया। इस उपलब्धि पर आरपीएस ग्रुप की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, सीईओ इंजीनियर मनीष राव, डिप्टी सीईओ कुनाल राव और प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने संयुक्त रूप से खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की, जबकि सीबीएसई के ज्वाइंट सेक्रेट्री विजय सिंह यादव ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। ग्रुप की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि इस उपलब्धि से विद्यालय के अन्य छात्रों को भी प्रेरणा मिलेगी और आने वाले समय में आरपीएस विद्यालय खेलों के क्षेत्र में और भी ऊंचाइयां हासिल करेगा। ग्रुप के सीईओ इंजी. मनीष राव ने कहा कि आज विद्यालय के बच्चे शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की लगन और कोचों के मार्गदर्शन का परिणाम रहा कि दोनों ही वर्गों की टीमें अंतिम दौर तक पहुंचीं और उपविजेता बनने में सफल रही। प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने कहा कि आरपीएस विद्यालय के बच्चे आज हर क्षेत्र में अव्वल है। यह सब विद्यालय प्रबंधन की दूरगामी सोच, मेहनत स्टाफ व विद्यार्थियों की लगन का परिणाम है। दोनों टीमों व कोच जितेंद्र फौगाट, विशाल व जगदीश को सीबीएसई के ज्वाइंट सेक्रेट्री विजय सिंह यादव ने सम्मानित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम महासर माता की शक्ति, बड़े पर्दे पर फिल्म माता के भक्तों के लिए वरदान

जय महासर धाम की अटेली क्षेत्र में चल रही है शूटिंग कलाकारों को भी मूवी में रोल करने का मिल रहा है मौका

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

मंडी अटेली। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते फिल्म के निर्माता श्रीधर गुप्ता व डायरेक्टर सन्नी अग्रवाल। फोटो: हरिभूमि

श्री महासर माता प्रोडक्शन के सानिध्य में बन रही फिल्म श्री महासर माता की महिमा पर बनने वाली मूवी की शूटिंग महासर माता मंदिर व आस-पास के गांवों में हो रही है। अटेली क्षेत्र के गांव में स्थित महासर माता मंदिर पर नवरात्रों पर साल में दो बार बड़े मे लगता है। इसके अलावा माता के स्थान पर बड़ी संख्या में प्रतिदिन प्रदेश व देश के विभिन्न हिस्सों से माता के स्थान पर पूजा अर्चना करते है। फिल्म पटकथा, इसके निर्माण का उद्देश्य आदि सवालों के जवाब को लेकर महासर माता मंदिर में बने भगवती भवन में फिल्म के बारे में निर्माता भामाशाह श्रीधर गुप्ता, निर्देशक सन्नी अग्रवाल, एक्जीक्यूटिव प्रोडयूसर संतोष पंसारी व कलाकार पत्रकारों मुखातिब हुए। फिल्म में लोकल कलाकारों को भी मौका दिया जा रहा है। फिल्म के डायरेक्टर सन्नी अग्रवाल ने बताया कि महासर माता की महिमा, शक्ति व लोगों की आस्था को बड़े पर्दे पर जय महासर धाम फिल्म के माध्यम से दिखाई जा रही है।

इस फिल्म के निर्माता भामाशाह श्रीधर गुप्ता है, जो माता के भक्त है, उन्हीं के प्रयासों से इस मूवी में उन्हें कलाकारों को बनाने का मौका मिल रहा है। फिल्म की शूटिंग अटेली क्षेत्र शूटिंग गांव फतेहपुर गांव की एक प्राचीन हवेली से शुरू हुई है। श्रीधर गुप्ता ने बताया कि फिल्म में बालीवुड के कई प्रसिद्ध कलाकारों में दीपिका चिकलिया (रामायण की सीता के रूप में प्रसिद्ध है), अखलेंदेर मिश्रा, रेखा वशिष्ठ (तारक मेहता उल्टा चश्मा) सन्नी अग्रवाल प्रमुख है। मूवी के एक्जीक्यूटिव प्रोडयूसर संतोष पंसारी ने बताया कि हरियाणा से भी कई कलाकार इस फिल्म का हिस्सा है। जिनमें एमडी रॉकस्टार, अशोक वर्मा, पुष्कर सैनी, सपना लेथर, सुमन सेन है। निर्देशक ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सैनी से मुलाकात में फिल्म के लिए हर प्रकार सहयोग के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा खेल और कृषि के अलावा कला व फिल्म निर्माण में भी नई ऊंचाइयों छुएगा।

श्रीधर गुप्ता ने बताया कि उनका फिल्म बनाने का मकसद माता रानी का प्रचार प्रसार भारत व दुनिया में करने का है। भगवती भवन के मैनेजर रूपेंद्र सिंह ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से फिल्म की शूटिंग चल रही है। यह फिल्म जनवरी माह में नारनौल से शुरूआत कर पूरे भारत वर्ष में रिलीज की जाएगी।

समानता, परोपकार और समाज सेवा को माना है सर्वोपरि : सर्राफ

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में श्री अग्रवाल सभा (रजि.) भिवानी द्वारा 16 दिवसीय कार्यक्रमों का भव्य आगाज रविवार से किया गया है। महोत्सव के पहले दिन महाराजा अग्रसेन के आदर्शों पर चलते हुए नंदीशाला सेवा दल भिवानी के सहयोग से एक महत्वपूर्ण गौसेवा सवामणी और चारा आपूर्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन भिवानी की नंदीशाला में हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विधायक घनश्याम सर्राफ ने शिरकत की। विधायक ने सरकारी अनुदान का 11 लाख 65 हजार रुपये की राशि का चैक नंदीशाला को सुपुर्द किया। उनके इस सहयोग की सराहना करते हुए श्री अग्रवाल सभा के सदस्यों ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान विधायक घनश्याम सर्राफ एवं श्री अग्रवाल सभा रजि. भिवानी के प्रधान सुनील सर्राफ ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। उन्होंने महाराजा अग्रसेन के दिखाए गए मार्ग पर चलने का आह्वान किया, जिसमें समानता, परोपकार और समाज सेवा को सर्वोपरि माना गया है। दोनों ने गौसेवा के महत्व पर भी प्रकाश डाला तथा बताते हुए कि कैसे हमारी संस्कृति में गाय को माता का दर्जा दिया गया है और उसकी सेवा करना एक पुण्य कार्य है। इस अवसर पर प्रधान सुनील सर्राफ ने बताया कि महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव के तहत आने वाले 16 दिनों में विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

खबर संक्षेप

गांव कलिंगा में शोक जताते हुए।

कलिंगा पहुंच अनिरुद्ध चौधरी ने जताया शोक

तोशाम। कांग्रेस के भिवानी ग्रामीण जिला अध्यक्ष अनिरुद्ध चौधरी ने जिले के गांव कलिंगा में पहुंच हाल ही में मकान के नीचे दबकर एक ही परिवार की तीन लड़कियों की हुई मौत पर शोक व्यक्त किया तथा पीड़ित परिवार को परिवार को ढाढस बंधाया। इस दौरान उन्होंने पंडित नेकीराम शर्मा के प्राचीन निवास स्थान पर पहुंचकर उनके पड़पोते दिनेश शर्मा से मुलाकात की। गत दिनों जिले के कलिंगा में जलभराव के कारण एक मकान गिर गया था जिसमें मकान के मलबे के नीचे दबकर एक ही परिवार की तीन लड़कियों की दर्दनाक मौत हो गई थी।

शिविर में 234 मरीजों की जांच, 65 ने किया रक्तदान

भिवानी। मॉडल दादरी जिला बनाओ संगठन ने गांव समसपुर, खातीवास, हिंडोल व सांतौर में रक्तदान कैंप व चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया। शिविरों की अध्यक्षता कृष्ण सत्तूर, श्रीप्रकाश फोगाट, राजेश फोगाट, रमेश फोगाट ने की। शिविरों में बतौर मुख्यतिथि धर्मपाल शर्मा, पीतांबर शर्मा, ओमपाल परमार तथा विशिष्ट अतिति बलवान साहू रहे। कैंपों में एम्स रोग निदान हॉस्पिटल वर्दांत आई केयर गीतांजलि हॉस्पिटल आई क्यू हॉस्पिटल आदि की टीम डॉ. संतोष, डॉ. विनय यादव, डॉ. संदेश राणा व डॉ. अनिता शर्मा ने सेवाएं देते हुए 234 लोगों की आंख व सामान्य रोगों की जांच कर उपचार किया।

विधायक उमेद पातुवास को मांगपत्र दिया

बाढड़ा। गांव हंसावास कलां के किसानों ने भाजपा विधायक उमेद पातुवास को मांगपत्र देकर गांव में पिछले रबी सीजन 2025 की खराब फसलों के नुकसान में जानबूझ कर गोलमाल कर किसानों के नुकसान का मुआवजा न देने का आरोप लगाते हुए जांच करने की मांग की तथा मौजूदा समय में बबार्द कपास, ग्वार व बाजरे की फसलों की स्पेशल गिरदावरी न करवाने पर गांव हंसावास कलां के मु य बस स्टेंड पर धरना प्रदर्शन करने की चेतावनी दी। विधायक ने चरखी दादरी डीआरओ को सारे मामले की जांच करवा कर रिपोर्ट देने व सारे मामले से सीएम को अवगत करवा कर समाधान का भरोसा दिया।

बलियाली के शिविर 51 लोगों ने किया रक्तदान

भिवानी। रोटरी क्लब भिवानी डाउनटाउन और रोटरी क्लब बवानीखेड़ा के संयुक्त प्रयास से बलियाली के बाबा बंदासिंह बहादुर कम्युनिटी हॉल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर में 51 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि रोटरी 3090 के प्रान्तपाल भूपेश महता ने किया तथा बलियाली के सरपंच सचिन सरदाना विशिष्ट अतिथि रहे। उन्होंने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। प्रांतपाल भूपेश मेहता ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर सम्मानित किया।

प्रदेशभर के 12 डिप्टी सुपरिटेंडेंट बने सुपरिटेंडेंट, 13 पद अब भी खाली

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

शिक्षा विभाग फील्ड मिनिस्ट्रियल स्टाफ कर्मी लम्बे अरसे से लड़ाई लड़ रहा है, लेकिन शिक्षा विभाग की अफसरशाही लगातार कर्मियों का शोषण कर रही है। गत सांय निदेशालय ने आंदोलन के दबाव में 12 डिप्टी सुपरिटेंडेंट को प्रमोट कर सुपरिटेंडेंट बनाए जाने की सूची जारी कर दी, जबकि सुपरिटेंडेंट के 25 पद खाली पड़े थे। यह प्रमोशन लिस्ट जारी होने उपरांत भी 13 पद खाली रह गए हैं, जिसका हरियाणा एजुकेशन मिनिस्ट्रियल स्टाफ एसो. ने विरोध जताया। एसो. ने 23 को डीसी कार्यालयों में पड़ाव डाले जाने का फैसला लिया।

खास बातें

- 23 सितंबर को डीसी दफ्तरों पर डालेंगे पड़ाव : सांगवान
- निदेशालय में क्लर्क तीन साल बाद असिस्टेंट बन जाता है

शिक्षा विभाग ने जारी की अधूरी प्रमोशन सूची, हेमसा ने जताया रोष

अफसरशाही पर मनमानी करने का आरोप

हरियाणा एजुकेशन मिनिस्ट्रियल स्टाफ एसोसिएशन संबंधित सर्व कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष संदीप सांगवान, महासचिव हितेंद्र सिहाग, कोषाध्यक्ष मुकेश खरब, उपाध्यक्ष सावित्री देवी ने संयुक्त रूप से प्रेस वार्ता कर शिक्षा विभाग की अफसरशाही पर नियमों को ताक पर रखकर मनमानी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि एक ही विभाग में काम करने वाले कर्मियों पर नियम अलग क्यों तोफे जा रहे हैं। निदेशालय में एक क्लर्क तीन साल बाद असिस्टेंट बन जाता है तथा फील्ड का क्लर्क 32 साल उपरांत असिस्टेंट बनता है, जबकि सेवा नियम दोनों के एक समान हैं। सेवा नियमों में छूट देने की पावर एसीएस के पास है और वे मुख्यालय में क्लर्कों को छूट देकर प्रमोट कर देते हैं, लेकिन फील्ड मिनिस्ट्रियल स्टाफ को छूट नहीं दी जाती, जो भेदभाव पूर्ण रवैया हैं। फील्ड का क्लर्क इन्ही तुगलकी दोहरे नियमों एवं अफसरों की मनमानी के चलते 32-33 साल नौकरी करने के बाद क्लर्क पद से ही रिटायर हो जाता है, जबकि इसी विभाग के मुख्यालय में काम करने वाले क्लर्क 31 साल सेवा उपरांत डिप्टी डायरेक्टर बन जाते है। इसके साथ ही सांझी मांगों को लागू करवाने के लिए 23 सितंबर को सर्व कर्मचारी संघ के बैनर तले एसोसिएशन ने सभी डीसी दफ्तरों पर पड़ाव डालने का निर्णय लिया, जिसमें जोर शोर से अपनी मांगों के लिए ताल ठोकी जाएगी।

हरियाणा एजुकेशन मिनिस्ट्रीयल स्टाफ एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संदीप सांगवान।

ये बने डिप्टी से सुपरिटेंडेंट

डिप्टी सुपरिटेंडेंट प्रोमिला देवी को सोनीपत डीईओ कार्यालय में सुपरिटेंडेंट पदोन्नत किया गया। इसी प्रकार कमल प्रकाश को सोनीपत बिस्वानमिल डाइट में सुपरिटेंडेंट, राजेश कुमार को करनाल डीईओ कार्यालय में सुपरिटेंडेंट, रणबीर सिंह को हिसार के मात्रश्याम डाइट में सुपरिटेंडेंट, जगमेंद्र सिंह को भिवानी डीईओ कार्यालय में सुपरिटेंडेंट, अशोक कुमार वर्मा को यमुनानगर तेलजी डाइट में सुपरिटेंडेंट, सुरेश कुमार को कैथल डीईओ कार्यालय में सुपरिटेंडेंट, अनिल यादव को महेंद्रगढ़ नारनौल डीईओ कार्यालय में सुपरिटेंडेंट, सवरन सिंह को पंचकूला डाइट में सुपरिटेंडेंट, संजीव कुमार को पंचकुला डीईओ कार्यालय में सुपरिटेंडेंट, हरीशचंद्र को झज्जर माछरौली डाइट में सुपरिटेंडेंट तथा जयवीर सिंह को डीईओ जींद में सुपरिटेंडेंट पदोन्नत किया हैं।

विभाग की गलती की की सजा भुगतने रहे क्लर्क

सांगवान ने बताया कि समय पर पदोन्नति न करना विभाग की गलती है, लेकिन इसकी सजा क्लर्कों को भुगतनी पड़ती है। उन्होंने बताया कि शिक्षा विभाग फील्ड में क्लर्कों के 5250, असिस्टेंट के 465, स्टेटिकल असिस्टेंट के 60, डिप्टी सुपरिटेंडेंट के 137 और सुपरिटेंडेंट के 44 पद स्वीकृत हैं और शिक्षा विभाग फील्ड में 50 प्रतिशत पद खाली पड़े हैं। उन्होंने विभाग से सभी खाली पदों पर शीघ्र पदोन्नति करने, सभी सीनियर सेकेंडरी स्कूलों में असिस्टेंट, बीईओ में स्टेटिकल असिस्टेंट, डिप्टी सुपरिटेंडेंट, डीईईओ में सुपरिटेंडेंट तथा डीईओ में स्थापना अधिकारी का पद स्वीकृत किया जाए, जिसका फील्ड क्लर्कों को लाभ मिल सकें।

सामाजिक कुप्रथा निषेध अभियान कमेटी ने की बैठक

आंसुओं से भीगी दावत, मृत्यु भोज का समाज बहिष्कार करें

सामाजिक कुप्रथा निषेध अभियान कमेटी का किया विस्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭तोशाम

हसान की धर्मशाला में सामाजिक कुप्रथा निषेध अभियान कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता दयासिह तक्षक ने की। इस दौरान कमेटी का विस्तार करते हुए कमेटी में मा. पवन टांक को सचिव व प्रैस सचिव संदीप गौड़ को सर्वसम्मति से बनाया गया। चेयरमैन कुलवीर धायल ने कहा कि आसुओं से भीगी दावत मृत्यु-भोज कासमाज को बहिष्कार करना चाहिए। जिसके लिए हमें एकजुट होना होगा।

मा. पवन टांक को सचिव व संदीप गौड़ को प्रैस सचिव बनाया

कमेटी द्वारा जारी अभियान का असर धरातल पर दिखाई देने लगा है अब इस प्रथा को बंद करके ही दम लेगें। उन्होंने बताया कि अब कमेटी से सम्बंधित प्रत्येक गांव में कमेटी का गठन किया जाएगा। वही 11 सितम्बर को कमेटी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र संडवा में स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शिरकत होने के बाद कमेटी की मासिक बैठक होगी।

तोशाम। आयोजित पंचायत में समाज में फैली बुराई मिटाने का आहवान करता एक वक्ता। *फोटो : हरिभूमि*

प्रत्येक गांव से तीन-तीन सदस्य

चेयरमैन ने बताया कि जेपी हसान, पूर्व सरपंच रामधारी लाम्बा व पूर्व चैयरमेन जयबीर मुंड को कमेटी का संरक्षक बनाया गया व सामाजिक कुप्रथा निषेध अभियान कमेटी से सम्बन्धित प्रत्येक गांव से तीन-तीन सदस्यों को शामिल किया गया, जिसमें हसान से मा. उमेद, मा. रोहतास व सुक्रमपाल, रोढा से शेरसिंह बूरा, मा. सुमेर महला व महाबीर, मंढाण से पूर्व सरपंच दिलावर सिंह,बुशान से बृजपाल फौजी, मा. दलबीर सिंह, पूर्व सरपंच महान सिहं, संडवा से प्रदीप संडवा, ऋषिलाल सिलन व नफे सिंह कालीरामन, ईशरवाल से जगमाल सिंह, प्रधान उमेद, पूर्व सरपंच सतबीर वप्रदीप बंसल, साहलेवाला से सरपंच चद्दभान, लीलाराम नम्बरदार व रोहतास भुक्कल शामिल हैं। इस दौरान बैठक में गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

प्रशिक्षण से बढ़ता है शिक्षक का कौशल

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

एचडी पब्लिक स्कूल बिरोहड़ में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित सीबीपी हिंदी कोर्स-ए पर आधारित दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन हो गया।

प्रशिक्षण का उद्देश्य हिंदी भाषा शिक्षण की नवीन पद्धतियों, मूल्यांकन तकनीकों व पाठ्यक्रम की गहन समझ को विकसित करना था। प्रशिक्षण में विभिन्न विद्यालयों के हिंदी अध्यापकों ने भाग लिया और विशेषज्ञ प्रशिक्षकों से मार्गदर्शन प्राप्त किया। समापन सत्र में विद्यालय के निदेशक बलराज फौगाट ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों के बौद्धिक विकास के साथ-साथ विद्यार्थियों की शैक्षिक उन्नति के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

■ अच्छा शिक्षार्थी ही अच्छा शिक्षक साबित होता : फौगाट

उन्होंने प्रतिभागी शिक्षकों को प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान को अपनी कक्षाओं में लागू करने के लिए प्रोत्साहित किया। सीबीएसई द्वारा समय-समय पर कराए जाने वाले सीबीपी प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षण गुणवत्ता में सुधार लाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए भविष्य में और भी सशक्त शिक्षण कार्य करने की प्रेरणा दी।

अतिवृष्टि ने तोड़ी किसानों की कमर

तोशाम। जननायक जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग भिवानी के जिला अध्यक्ष कृष्ण वर्मा ने प्रदेश सरकार व जिला प्रशासन से मांग की है कि इस बार लगातार हो रही बरसात ने किसानों की मेहनत पूरी तरह चौपट कर दी है।

मूंग, ग्वार, कपास व बाजरे सहित खरीफ की तमाम फसलें बुरी तरह प्रभावित हुई हैं, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। कृष्ण वर्मा ने कहा कि अतिवृष्टि से किसानों की कमर टूट गई है। कई जगहों पर खेतों में पानी भरा हुआ है और फसलें पूरी तरह नष्ट हो चुकी हैं। उन्होंने मांग की कि प्रभावित किसानों की फसलों की तत्काल गिरदावरी करवाई जाए और नुकसान का सही आकलन कर उचित मुआवजा दिया जाए।

मार्केट न्यूज

एमके हॉस्पिटल में निःशुल्क फिजियोथैरेपी कैम्प का आयोजन

भिवानी। विश्व फिजियोथैरेपी दिवस के उपलक्ष्य में एमके हॉस्पिटल, भिवानी में एक निःशुल्क फिजियोथैरेपी कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में अनेकों मरीजों ने भाग लिया और अपनी स्वास्थ्य समस्याओं के लिए परामर्श एवं उपचार प्राप्त किया। कैंप का नेतृत्व वरिष्ठ फिजियोथैरेपिस्ट डॉ.सोमवीर मेहरा ने किया। उन्होंने मरीजों की समस्याओं का ध्यानपूर्वक आकलन कर उन्हें आधुनिक मशीनों की सहायता से थेरेपी दी और साथ ही जरूरी व्यायाम भी करवाए। कैंप में घुटनों का दर्द, जोड़ों का दर्द, सर्वाइकल दर्द, खेलों में लगी चोटें, लकवा, मुँह का टेढ़ापन, बच्चों का समय पर न चल पाना तथा ऑपरेशन/सर्जरी के बाद होने वाली जकड़न जैसी समस्याओं का इलाज किया गया। सभी मरीजों को निःशुल्क परामर्श और उपचार दिया गया। डॉ.सोमवीर मेहरा ने बताया कि नियमित फिजियोथैरेपी न केवल दर्द से राहत देती है, बल्कि लंबे समय तक होने वाली बीमारियों को भी रोकने में सहायक होती है। उन्होंने कहा – "फिजियोथैरेपी शरीर को सक्रिय बनाए रखने और जीवन की गुणवत्ता सुधारने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। समय पर उपचार लेने से मरीज जटिल सर्जरी और दवाओं से बच सकते हैं।"

महापौर प्रवीण जोशी का किया स्वागत

■ कायला पहुंची नगर निगम फरीदाबाद की महापौर प्रवीण जोशी, अभिनंदन समारोह आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

गांव कायला में रविवार को नगर निगम फरीदाबाद की नव-निर्वाचित महापौर प्रवीण जोशी का अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और भाजपा के कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम का आयोजन गांव कायला के निवासियों ईश्वर शर्मा, नरेश गौतम, मदनपाल पूर्व सरपंच, महावीर शर्मा, श्रीभगवान शर्मा, अमित भगत, और रामधारी शर्मा (श्याम मंडल प्रधान) ने मिलकर किया था। जैसे ही महापौर प्रवीण जोशी और संदीप जोशी मंच पर पहुंचे, लोगों ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। लोगों की भीड़ प्रवीण जोशी के महापौर बनने को लेकर उ खुशी व्यक्त कर रही थी।

भिवानी। नवनिर्वाचित महापौर का स्वागत करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

फरीदाबाद एक आदर्श शहर बनेगा

समारोह में प्रवीण जोशी ने सभी आयोजकों और उपस्थित लोगों का दिल से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उनका मुख्य लक्ष्य सर्वांगीण विकास है। उन्होंने शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने, जल निकासी की समस्याओं को दूर करने और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने का संकल्प लिया। उन्होंने यह भी कहा कि वे जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उनके पति और भाजपा के राष्ट्रीय परिषद सदस्य संदीप जोशी ने पार्टी की नीतियों और विकास कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रवीण जोशी के नेतृत्व में फरीदाबाद एक आदर्श शहर बनेगा। समारोह के महापौर ने आम जनता से सीधा संवाद किया। उन्होंने लोगों की शिकायतों और सुझावों को ध्यान से सुना और उन्हें जल्द से जल्द समाधान का आश्वासन दिया। इस अवसर पर जितेंद्र शर्मा सरपंच बड़ाला, सुधीर शर्मा सरपंच उमरावत, दिनेश शर्मा पूर्व सरपंच उमरावत, अन्नतराम शर्मा पूर्व सरपंच बडाला, मदनपाल पूर्व सरपंच कायला, श्रीभगवान पूर्व सपंच उमरावत, बल्लू थानेदार बडाला, विनोद शर्मा एडवोकेट बडाला, पवन शर्मा रीडर बडाला, राजकुमार धारेडू, देवेंद्र गोलपुरा, राजेंद्र सांगा, पवन शर्मा पूर्व सरपंच धारेडू, जयप्रकाश थानेदार धारेडू, रामधारी उमरावत, मोनम उमरावत आदि मौजूद रहे।

लोहारू में श्रीराम पताका यात्रा निकाली

■ 23 सितंबर से शुरू होगा रामलीला मंचन

हरिभूमि न्यूज ⏭लोहारू

लोहारू में आदर्श रामलीला कमेटी के बैनर तले होने वाले रामलीला मंचन कार्यक्रम का शनिवार को विधिवत पूजा अर्चना के बाद श्री राम ध्वज फहराकर आगाज कर दिया गया। 23 सितंबर से शुरू होने वाले रामलीला मंचन के लिए पिछले एक सप्ताह से पुराना शहर की बोहरा धर्मशाला में रिहर्सल भी की जा रही है।

शनिवार को आदर्श रामलीला कमेटी सदस्यों, कलाकारों और शहर के गणमान्य लोगों की मौजूदगी में गाजे बाजे के साथ श्रीराम पताका यात्रा निकाली गई तथा बाद में पूजा अर्चनाकर रामलीला मंचन स्थल पर पताका फहराई गई। बता दें कि लोहारू शहर में पिछले करीब पांच दशकों से रामलीला का मंचन किया जाता है तथा लोगों के अनुसार लोहारू रामलीला मंचन पूरे प्रदेश में हांसी की रामलीला के बाद दूसरे नंबर पर आती थी। लोहारू के रामलीला कलाकार किरदार में हकीकत का रंग भरने को जी-जान की बाजी तक लगा देते थे। कमेटी प्रधान संतुराम सैनी, सचिव पवन शर्मा, नगर पालिका प्रधान बंटी तायल, संजय खंडेलवाल, रामअवतार शर्मा, बिहारीलाल, सुभाष खेतान, प्रवीण जोशी आदि ने बताया कि लोहारू की रामलीला प्रदेशभर के रामलीला मंचन में अव्वल स्थान रखती थी तथा इलाके के लोगों के सहयोग से करीब 1973 से लोहारू में रामलीला का मंचन किया जा रहा है। इस बार यह रामलीला मंचन कार्यक्रम 23 सितंबर से शुरू होगा। उन्होंने बताया कि अनुभवी कलाकारों द्वारा इस बार नए कलाकारों को भी प्रशिक्षित किया जा रहा है ताकि भविष्य में भी इस रामलीला मंचन की परंपरा को बढ़ाया जा सके।

लोहारू। लोहारू में रामलीला मंचन को लेकर श्री राम पताका फहराते हुए रामलीला कमेटी सदस्य और गणमान्य लोग। *फोटो : हरिभूमि*

ये रहे मौजूद

इस मौके पर श्रीब्राह्मण महासभा प्रधान सुरेंद्र शर्मा, दौलतराम सौलंकी, राजीव वत्स, वासु मताानी, पार्षद अजय शर्मा, जयसिंह सैनी, संतलाल, विपिन सैनी, प्रदीप सैनी, सुभाष सैनी, रामसिंह कटारिया, रविंद्र तायल, कैलाश जिंदल, बाबूलाल बड़सीवाल, बजरंग लाल, महेश कुमार, रामसिंह सैनी, गोपाल तायल सहित अनेक गणमान्य लोग इस मौके पर मौजूद थे।

बीईओ ने प्रदर्शनी का किया अवलोकन

■ लोहारू में ब्लाक स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित, विद्यार्थियों ने बनाए आधुनिक मॉडल

हरिभूमि न्यूज ⏭लोहारू

आने वाली पीढ़ी में आधुनिक विज्ञान के प्रति जिज्ञासा बढ़ाने और विद्यार्थियों को विज्ञान शिक्षा के प्रति प्रेरित करने के लिए स्थानीय खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में ब्लाक स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें खंड के दर्जनभर विद्यालयों के 9वीं से 12वीं के विद्यार्थियों ने विज्ञान विषय पर आधारित अनेक मॉडल प्रस्तुत किए। खंड समन्वयक संजय सैनी की अध्यक्षता में आयोजित इस प्रदर्शनी में खंड शिक्षा अधिकारी विजय प्रभा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।

लोहारू। विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए बीईओ विजय प्रभा व अन्य।

प्रतिभा को निखारने का मिलता है मौका

बीईओ विजय प्रभा ने बताया कि विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक और वैज्ञानिक सोच का परिचय दिया और इस प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने दैनिक जीवन में उपयोगी अनेक मॉडल प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों ने सौर ऊर्जा, वायु ऊर्जा, स्वच्छ वातावरण, जल संरक्षण, कृषि विज्ञान, मौसम विज्ञान और जैविक खेती सहित अनेक विषयों को केंद्रित करते हुए अपनी मॉडल तैयार किए। जो बहुत ही आकर्षक थे। बीईओ विजय प्रभा ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में निहित प्रतिभा को निखारने का काम करते हैं। निर्णायक मंडल में विज्ञान खंड समन्वयक नीरज शर्मा, जितेंद्र, डॉ. मोनिका और महेंद्र शामिल रहे।

कंवर साहेब महाराज ने प्रवचनों से साध संगत को किया निहाल

सत्संग देखने और सुनने मात्र ना आओ सत्संग तो करने के लिए आओ: कंवर साहेब

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

सत्संग देखने और सुनने मात्र ना आओ, सत्संग तो करने के लिए आओ। सत्संग सत्य धर्म का मार्ग है और सत्य सुनने या देखने का नहीं है बल्कि सत्य तो अपनाने का है। यह सत्संग वचन परमसंत सतगुरु कंवर साहेब ने पानीपत के गोहाना रोड पर स्थित राधास्वामी आश्रम में फरमाए। हुजूर कंवर साहेब ने संतमत में तीन चीज उपयोगी है। सत्संग,सतगुरु और सतनाम। सत्संग में तीन को हमेशा खुला रखो। आंख कान और हृदय। पहले सतगुरु के दर्शन करो फिर वचन सुनो और उन वचनों को हृदय में गुणों। केवल यह करके ही हम अपनी आत्मशक्ति को जाया करने के इन तीन द्वारों पर अंकुश लगा सकते हैं। गुरु महाराज ने कहा कि संतमत गुरुमुखा का मत है,लेकिन गुरमुख बनना सबसे मुश्किल है। गुरुमुखा लगे रहने से ही मिलती है। अगर डांवाडोल हो गए तो कुछ नहीं पाओगे। जब मन की हद से निकल कर गुरु की हद में आ जाओगे तो काग से हंस रूप हो जाओगे। हुजूर ने कहा कि थोथा पिछोड़ने में कोई लाभ नहीं।

भिवानी। आयोजित सत्संग में प्रवचन देते कंवर साहेब। *फोटो : हरिभूमि*

मां बाप बड़े बुजुर्गों की सेवा करो

उन्होंने कहा कि मां बाप बड़े बुजुर्गों की सेवा करो। मंदिर की मूरत आपको आशीर्वाद या दुवाएं नहीं देंगी बल्कि आपके बड़े बुजुर्ग और मां बाप आपको दुवाएं और आशीर्वाद देंगे। तन पवित्र सेवा से धन पवित्र दान से और मन पवित्र हरि भजन से करो। मन को काम में लगाए रखो। नेकी करो हरि के जन से प्रेम करो। सत्य के मार्ग पर चलो। अपनी संतान को संस्कार की विरासत सौंपो। बच्चो की केवल जरूरत को पूरी करो इच्छाएं नहीं। पर धन और पर त्रिया पर कुदृष्टि ना रखो। स्वयं को सुधारो जग स्वतः सुधर जायेगा।